उत्तर प्रदेश का सालाना सॉफ्टवेयर नर्यात 40 हज़ार करोड़ रुपए के पार

चर्चा में क्यों?

21 नवंबर, 2023 को आईटी मंत्रालय के अधीन काम कर रहे सॉफ्टवेयर टेक्नॉलजी पार्क्स ऑफ इंडयि (एसटीपीआई) के अपर नदिशक डा. प्रदीप कुमार द्ववदी ने बताया कि लगातार बढ़ रहे सॉफ्टवेयर नर्यात में उत्तर प्रदेश ने लंबी छलांग लगाई है। प्रदेश का सालाना सॉफ्टवेयर नर्यात 40 हज़ार करोड़ रुपए को पार कर गया है।

प्रमुख बदि

- वर्ष 2020-21 में प्रदेश का सॉफ्टवेयर नर्यात सालाना 28 हज़ार करोड़ रुपए था जो इस समय 40 हज़ार करोड़ रुपए के पार चला गया है। इसमें लखनऊ का हस्सा 400 करोड़ रुपए था, जो बढ़कर 550 करोड़ रुपए से ऊपर हो गया है। प्रदेश भर से हार्डवेयर का नर्यात भी 1500 करोड़ रुपए के पार चला गया है।
- एसटीपीआई के अपर नदिशक डा. प्रदीप कुमार द्ववदी के मुताबकि एनजीआईएस (नेशनल जेनरेशन इंक्यूबेशन स्कीम) योजना के तहत 42 नए स्टार्ट अप तैयार कयि गए हैं। इनमें से आठ को 25-25 लाख रुपए फंड दयि गया है। इसके अलावा लीप अहेड प्रोग्राम में एक करोड़ रुपए तक फंड देने की तैयारी है।
- इस योजना में फंड के अलावा छह माह तक 30 हज़ार रुपए प्रतमिाह प्रोत्साहन राश भी दी जा रही है।
- सॉफ्टवेयर स्टार्टअप शुरू करने का सबसे बढ़ा लाभ युवाओं को हुआ है। आईटी मंत्रालय की एनजीआईएस (नेशनल जेनरेशन इंक्यूबेशन स्कीम) के तहत हर क्षेत्र में स्टारटअप तैयार कयि जा रहे हैं। देश में 12 स्थानों पर इस योजना के तहत केंद्र बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश में लखनऊ और प्रयागराज में दो केंद्र हैं जनिके ज़रयि स्टार्ट अप तैयार कयि जा रहे हैं।
- नई आईटी नीत लागू होने के बाद इस क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है। वशिष रूप से चकित्सा जगत में सॉफ्टवेयर के प्रयोग के सकारात्मक परणिाम सामने आए हैं। सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशपि का अहम प्रयोग लखनऊ के संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडकिल साइंसेज (एसजीपीजीआईएमएस) में शुरू हुआ है।
- एसजीपीजीआई प्रबंधन और एसटीपीआई के इस साझा कार्यक्रम में क्लीनकिली ट्रायल पर लगातार काम कयि जा रहा है। एसटीपीआई ने हाल ही में 28 ऐसे स्टार्टअप तैयार कराए हैं जो केवल चकित्सा जगत में सॉफ्टवेयर तकनीक पर प्रयोग कर रहे हैं। इनमें से छह तो अपने उत्पादों को पेटेंट भी करा चुके हैं।
- इस समय प्रदेश में एसटीपीआई के पांच सेंटर लखनऊ, नोएडा, कानपुर, प्रयागराज और मेरठ में हैं। जबक अन्य चार सेंटर आगरा, गोरखपुर, बरेली और वाराणसी में प्रस्तावति हैं।
- वर्तमान में एसटीपीआई पार्कों से 342 एक्सपोर्ट यूनटि जुड़ी हैं। 101 कंपनयिाँ इंन्क्युबेशन सेंटर से जुड़ी है। एसटीपीआई के चार और सेंटर शुरू होंगे तो युवाओं के लयि रोज़गार के नए मार्ग खुलेंगे। एक ही पार्क से छह हज़ार से ज्यादा युवाओं को तत्काल फायदा मलिता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-s-annual-software-export-crosses-rs-40-thousand-crore